

कटनी का फ्रंट पेज

भरभराकर गिरा जर्जर भवन का बारजा

बुजुर्ग की मौत, सागर पुलिया के पास स्थित अग्रवाल बिल्डिंग की घटना

कटनी, यशभारत। रंगनाथ थाना क्षेत्र के अंतर्गत बजाज एजेंसी के सामने शनिवार दोपहर जर्जर बिल्डिंग के पीछे का हिस्सा भरभराकर गिर गया। मलबे की चपेट में आने से भवन में रह रहे 70 वर्षीय प्रेमलाल गड़ारी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर रंगनाथ थाना पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। मृतक प्रेमलाल गड़ारी पिता लूसन प्रसाद गड़ारी ग्राम पिलोजी थाना कुठला के निवासी थे। वे अग्रवाल के यहाँ मैनैजर के रूप में कार्य करते थे और इसी भवन में रहते थे। शनिवार दोपहर वह शौचालय की ओर गए थे। इसी दौरान भवन का क्षतिग्रस्त हिस्सा अचानक नीचे आ गिरा और वह मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों के अनुसार अग्रवाल बिल्डिंग लंबे समय से जर्जर हालत में है। भवन के बारे में सहित अन्य हिस्सों के क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आ रही है। बारिश के दौरान पुराने और



कमजोर भवनों के गिरने का खतरा बढ़ जाता है। इसके बावजूद इस भवन में लोगों की आवाजाही बनी रही। स्थानीय स्तर पर यह भी जानकारी सामने आई है कि इस भवन में पहले भी हादसा हो चुका है। यदि पूर्व में भी घटना हुई थी तो सवाल उठता है कि इसके बाद भवन की सुरक्षा को लेकर क्या कार्रवाई की गई। अग्रवाल

बिल्डिंग में हुई मौत ने शहर के जर्जर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बारिश के बीच नगर निगम के सामने अब यह चुनौती है कि शहर में मौजूद खतरनाक भवनों का सर्वे कर उनकी स्थिति का आकलन किया जाए। स्थानीय लोगों का कहना है कि जर्जर भवनों को केवल चिह्नित करने के बजाय

उनकी स्थिति के अनुसार नोटिस, मरम्मत, भवन खाली कराने अथवा नियमानुसार सुरक्षित तरीके से हटाने की कार्रवाई जरूरी है। एक बुजुर्ग की जान जाने के बाद अब सवाल यह है कि क्या नगर निगम शहर के दूसरे जर्जर भवनों को लेकर हादसे का इंतजार करेगा या समय रहते कार्रवाई करेगा।

बीच सड़क गिरा बबूल का पेड़, घंटों बाधित रहा आवागमन

दीमरखेड़ा तहसील के अंतर्गत इंदिरा आवास कॉलोनी के पास शनिवार की दोपहर मुख्य सड़क पर अचानक बबूल का बड़ा पेड़ गिर गया। गनीमत यह रही कि पेड़ गिरने के समय वहाँ से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पेड़ गिरने के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहा और दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई। ग्रामीणों ने तत्काल जेसीबी बुलाकर पेड़ को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात दोबारा शुरू हो सका। ग्रामीणों ने कहा कि दीमरखेड़ा मुख्यालय और आसपास सड़क किनारे कई बड़े पेड़ हैं, जिनकी लंबे समय से कटाई-छंटाई नहीं हुई है। मार्केट के पास खड़ा एक ट्रकना पेड़ नीचे से सड़ चुका है और ग्रामीणों को उसके कभी भी गिरने की आशंका है। ग्रामीणों ने सड़कों के किनारे कमजोर पेड़ों की जांच करवाकर कटाई-छंटाई करवाने की मांग की है।



बका लेकर घूमते मिले तीन पारथी

बड़वारा पुलिस ने किया गिरफ्तार, आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई

कटनी, यशभारत। बड़वारा पुलिस ने धारदार हथियार लेकर घूम रहे तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लोहे के धारदार बके बरामद किए हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। बड़वारा थाना प्रभारी सुयश पांडे ने बताया कि क्षेत्र में भ्रमण के दौरान नायर पेट्रोल पंप के पास सड़क पर दो व्यक्ति सशस्त्र उमरेन्द्र पारथी 19 वर्ष और सोल्जर पारथी 25 वर्ष दोनों निवासी छिंदिया टोला थाना बरही बैठे मिले। तलाशी लेने पर दोनों के पास लोहे के धारदार बके मिले। पुलिस ने दोनों हथियार जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसी दौरान पुलिस को रोहनिया बायपास रोड पर एक व्यक्ति लोहे का धारदार बका लेकर घूमता मिला। पूछताछ में उसकी पहचान लिस्टर पारथी 55 वर्ष निवासी छिंदिया टोला थाना बरही के रूप में हुई। पुलिस ने पूछताछ के बाद हथियार जब्त कर तीनों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की है। कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, एसआई महेश प्रताप सिंह, एसआई रामनाथ साकेत, एसआई सतेन्द्र सिंह, एसआई मोनेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र कुमार चढ़ार, आरिफ हुसैन, नीलेश दुबे, गौराशंकर राजपूत, बृजलाल प्रजापति, शिवप्रकाश तिवारी की विशेष भूमिका रही।

बाइक में ठोकर मारकर पलटा एलपीडी वाहन

सतना निवासी दो युवकों की दर्दनाक मौत स्लीमनाबाद के पास भेड़ा टेक बायपास मार्ग पर हादसा

कटनी, यशभारत। स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत भेड़ा टेक बायपास मार्ग पर शनिवार को तेज रफ्तार आ रहे एक एलपीडी वाहन ने आगे चल रही पल्सर बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। हादसे में बाइक सवार सतना निवासी दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। ठोकर के बाद एलपीडी वाहन भी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सतना निवासी सुबेन्द्र कोल और राजेश कोल पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एम्पी 19 जेड 2912 से सतना से जबलपुर की ओर जा रहे थे। दोनों भेड़ा टेक



बायपास से गुजर रहे थे, तभी पीछे से आ रहे एलपीडी वाहन क्रमांक यूपी 72 बीटी 7315 ने पीछे से उनकी बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। ठोकर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक उछलकर सड़क पर जा गिरे। गंभीर चोटों के अनुसार सतना निवासी सुबेन्द्र कोल और राजेश कोल पल्सर मोटरसाइकिल क्रमांक एम्पी 19 जेड 2912 से सतना से जबलपुर की ओर जा रहे थे। दोनों भेड़ा टेक

थाना उचैहरा जिला सतना की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक को ठोकर मारने के बाद एलपीडी वाहन भी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही स्लीमनाबाद पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मर्मा कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।



वंदे मातरम का सामूहिक गायन

सरस्वती हाईस्कूल कैमोर में आयोजन

विजयराघवगढ़, यशभारत। आखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वाधान में सरस्वती हाईस्कूल खलवारा बाजार कैमोर में 25 सितंबर को 11 बजे मुख्य अतिथि प्रमोद पयासी एवं कुलदीप सिंह बेदी द्वारा भारत माता के चर्लचित्र पर माल्यार्पण कर कर वंदे मातरम का सामूहिक गायन कार्यक्रम आरंभ किया गया। जिसमें नागरिक, समाजसेवी, व्यवसायी, कृषक एवं युवाओं

द्वारा सामूहिक वन्देमातरम गायन का किया गया। इस अवसर पर नगर की मातृशक्ति सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विद्यालय के भैया बहिनों, शिक्षकों, अभिभावकों, भूतपूर्व छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक अशोक क्षत्री रहे। आभार प्रदर्शन गुरदीप सिंह बेदी ने किया। आयोजन का उद्देश्य लोगों में राष्ट्र प्रेम राष्ट्रीय चेतना और भारतीय संस्कृति के प्रति से देश में संचार एवं क्रांति

के रूप में वंदे मातरम गांत भारतवासी के मन व मस्तिष्क पर अपनी अमिट छाप छोड़ना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेश्वरी हरीश दुबे, कामता गुप्ता, मनीष देव मिश्रा, अरुण मिश्रा, हरीश दुबे, जागेधर प्रसाद मिश्रा, बलराम दास गुप्ता, हरिओम बर्मन, मोहनलाल सोनी, भगवान दास पटेल की उपस्थिति रही। आभार प्रदर्शन सचिव गीता सिंह द्वारा किया गया।

In The Court Of IV Civil Judge Class-II, District Court, Katni Presiding Officer सुश्री अर्पिता शुक्ला (अदेश 5 नियम 20 व्यवहार परकित्या सहित 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A /0000285/2026)
महेन्द्र कुमार.....वादी
Vs पालकी बाई प्रतिवादी
प्रौ.नं. 493/26.
Process Id-/2026
पेशी दिनांक : 12/11/2026

प्रेषिती- (1) कमलेश पिता मुरारी लाल बर्मन पता निवासी ग्राम खम्हरिया नम्बर 2 पुलिस थाना कुठला पो आओ रघुप तहसील रीठी जिला कटनी। यह कि प्रार्थी महेन्द्र कुमार ने आपके विरुद्ध व्यवहार बाद के लिए वाद सौंपित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उतर देने के लिये उपसंज्ञात / हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे वकील (अधिवक्ता) द्वारा उपसंज्ञात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अद्वैत दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी साक्ष्य कथनों का उतर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कथन या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिक्षा या मुजर्दा का दावा या प्रतिक्षा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चले वह आपके कथन या शक्ति में हो अपनी प्रतिक्षा या मुजर्दा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उतर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक फ़ौज सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निष्करण मध्यम के माध्यम से करने के इच्छुक है तो पीजसीन अधिकारी को अवगत कराएँ। यह आज तारीख 09 September 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
न्यायवक्ती की मुद्रा
न्यायाधीश

बारिश में कम नहीं हुआ उत्साह

विजयराघवगढ़ में देर रात तक गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन



विजयराघवगढ़, यशभारत। अर्न्त चतुर्दशी के उत्सव में 10 दिवसीय गणेश पूजन का कार्यक्रम गणेश पंडालों एवं घरों में लगातार चलने के उपरान्त अर्न्त चतुर्दशी पूर्णाहुति के अवसर पर सार्वजनिक हवन कन्या भोज महा आरती केउपरान्त शाम को गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन हेतु चल समारोह के कार्य म में ढोल नगाड़े डीजे की धुन में श्रद्धालु नृत्य करते थिरकते हुए महानदी घाट विसर्जन स्थल पर पहुंचे। जहां प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्था में श्रद्धालु, भक्त जन पूजन आरती कर प्रतिमा विसर्जित की।



स्थानीय प्रशासन द्वारा निरीक्षण हेतु नगर परिषद के जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवीजनों में श्रीमती राजेश्वरी हरीश दुबे, मनीष देव मिश्रा, हरिओम बर्मन, ब्राह्मण समाज के मंडल अध्यक्ष अरविंद बड़गैया के निर्देशन में हाइडा वाहन द्वारा सैकड़ों प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। विसर्जन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था एवं शांति बनाने थाना

पवर्डी : गाजे बाजे के साथ बप्पा की विदाई
दस दिनों तक घर-घर और गली गली में गुंजता रहा गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ का जयघोष शुकवार को भावुक विदाई के साथ धम गया। नगर में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमाओं का श्रद्धालुओं ने गाजे.बाजे और ढोल नगाड़ों के साथ जुलूस निकालकर पतने नदी में विधि विधान से विसर्जन किया। गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान श्रद्धालु लाचते गाते और जयकारे लगाते नजर आए। दस दिनों तक भगवान गणेश की पूजा अर्चना करने के बाद भक्तों ने वन आंखों से बप्पा को विदाई दी और अगले वर्ष फिर से घर आने की कामना की। विसर्जन स्थल पर पूरे समय भक्ति मय माहौल बना रहा। गणेश प्रतिमा विसर्जन को लेकर नगर परिषद और पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष व्यवस्थाएं की गई थीं। थाना प्रभारी सुशील कुमार अहिरवार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे और पूरी व्यवस्था की निगरानी की। नगर परिषद अध्यक्ष बसंत दहायत भी विसर्जन स्थल पर मौजूद रहे। नगर परिषद कर्मचारियों और पुलिस बल की मौजूदगी में सभी प्रतिमाओं का शांतिपूर्ण तरीके से विसर्जन कराया गया। छोटी बड़ी सभी प्रतिमाओं को केन की मदद से नदी में विसर्जित किया गया।
प्रभारी अभिषेक चौबे की उपस्थिति में उप निरीक्षक संतोष स्वामी, मजूर कोल, पप्पू प्रजापति, नगर परिषद एवं वन विभाग के कर्मचारी स्वास्थ्य विभाग की कर्मचारी विद्युत विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। जहां रिजिडेंट बारिश के उपरांत श्रद्धालु भक्त जन डीजे की धुन में देर रात्रि तक प्रतिमाओं का विसर्जन करने पहुंचे।



एनएसएस के छात्रों ने किया पौधारोपण सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम

विजयराघवगढ़, यशभारत। शासकीय महाविद्यालय में एससेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में पौधों का रोपण किया गया। विद्यार्थियों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व पर्यावरण संतुलन तथा जलवायु संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी एवं सेवा भावना विकसित करने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित

छात्र.छात्राओं ने शपथ लगाए पर्यावरण बचापंश का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

पश्चिम मध्य रेल

बाणिज्य विभाग, जबलपुर मंडल

क्र. जबल/सी/170/17-ऑक्शन/विधि/पाकिंग/संघ, दिनांक : 25.09.2026
मंडल रेल प्रबंधक (बाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एयम् उनकी ओर से निम्नलिखित हेतु निष्पत्ति ई- बोली आमंत्रित करता है।

सभी लॉट के लिये- Category पाकिंग, Catalogue No. - JBP-C-PAR-26-OC
Auction start -05.10.26, 12:00 hrs.

Lot No.	Asset Details	Auction End
PARKING-JBP-SHR-MX-80-26-1 (Parking-Mixed)	सिंहोरा स्टेशन पर दो पहिया और चार पहिया वाहनो के लिए पाकिंग स्थल केवल तीन वर्षों के लिये	05.10.26 12:30 hrs
PARKING-JBP-BHT N-MX-84-26-1 (Parking-Mixed)	मिठौनी स्टेशन पर दो पहिया और चार पहिया वाहनो के लिए पाकिंग स्थल केवल तीन वर्षों के लिये	05.10.26 12:40 hrs
PARKING-JBP-BRG W-MX-74-26-2 (Parking-Mixed)	बरगवा स्टेशन पर दो पहिया और चार पहिया वाहनो के लिए पाकिंग स्थल केवल तीन वर्षों के लिये	05.10.26 12:50 hrs
PARKING-JBP-VST-MX-85-26-1 (Parking-Mixed)	वित्तिय सोता स्टेशन पर दो पहिया और चार पहिया वाहनो के लिए पाकिंग स्थल केवल तीन वर्षों के लिये	05.10.26 13:00 hrs

संगणित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे JREPS वेबसाइट (www.jreps.gov.in) पर E-Auction Leasing मौकड़ल देखें। लॉट-वार विवरण उपर्युक्त कैटलॉग के तहत उपलब्ध है। ई-बोली सूचना मंडल रेल प्रबंधक (बाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है।

हरता,

कृते मंडल रेल प्रबंधक (बाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

DLG CINEMAS
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-299299
FROM 19 SEPTEMBER 2026

2:00, 5:45 PM
9:30 PM
BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT

1:00, 4:00 PM
7:00, 10:00 PM
bookmyshow
बुकिंग के लिये संपर्क करें Ph. 07622-473999

JOIN US :

सिटी प्राइड सिनेमा में

11 सितम्बर से रोजाना 3 शो
AUDI-1 AUDI-1 AUDI-2
03:30PM | 06:30PM | 10:15PM

11 सितम्बर से रोजाना 3 शो
AUDI-2 AUDI-1 AUDI-1
08:45AM | 12:00PM | 09:45PM

11 सितम्बर से रोजाना 4 शो
AUDI-1 AUDI-2 AUDI-2 AUDI-2
09:00AM | 01:30PM | 04:15PM | 07:15PM

CB HEALTH CARE
commitment to best patient care

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह बागरी
एमडी जनरल मेडिसिन
Ex_senior Resident, cardiology

- ECG एवं PFT (Spirometry) की सुविधा
- 2D ECHO व कलर डॉपलर ईको काडियोग्राफी
- हृदय रोग संबंधी सभी प्रकार की समस्याएँ (हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर)
- की.पी., डायबिटीज (शुगर) थायरॉइड एवं स्वास संबंधित सभी समस्याएँ
- जोड़ों में दर्द गठिया वॉल से संबंधित सभी समस्याएँ
- जनरल मेडिसिन से सम्बंधित समस्याओं के उपचार हेतु।

समय : सुबह 10 से 2 बजे तक, साय 5.30 से 8 बजे तक (रविवार क्लीनिक बंद रहेगा)

डन कॉलोनी मोड़, बस स्टॉप मेन रोड, बरगवां, कटनी

Reg. No.- MP25236
+91 8602054967
+91 8602915994
dshbaagari@cbhealthcare.in

प्रयत्न में ऊब नहीं



संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उन्से उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूँ जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे।

चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों मानें? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में टूट्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, टूट्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

कड़वे वचन

छाता बारिश को रोक तो नहीं सकता परन्तु बारिश में खड़े रहने का हौसला जरूर दे सकता है। ठीक इसी तरह से सत्यंग और प्रवचन तुम्हारे दुखों को नष्ट तो नहीं कर सकते परन्तु उठे सहने की ताकत जरूर दे सकते हैं दुख में से सुख खोजने की कला जरूर सिखा सकते हैं ।इसलिए सत्यंग करो, उससे तुम्हें दुख सहने की ताकत मिलेगी और तुम अभाव में भी मुस्कुरा सकोगे।

आज का राशिफल

पंचांग:- 27 सितंबर 2026
दिन- रविवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष
विक्रम संवत् 2083

मेघ

स्थान परिवर्तन चाहने वाले लोगों को कुछ उन्मीद नजर आएगी मनोबल बढ़ेगा

वृष

युवक वर्ग व्यक्तितगत और व्यवहारिक गतिचिधियों में तालमेल बनाकर र खेंगे

मिथुन

किसी संबंधी जनों की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है अन्य खर्चें भी परेशान करेंगे

कर्क

अपनी सुझबुझ के साथ नकारात्मक परिस्थितियों में भी अच्छे परिणाम हासिल कर सकते हैं

सिंह

व्यवसाय में अनिश्चितता रहने से चिंता बढ़ेगी अनावश्यक तनाव ना ले

कन्या

अत्यधिक तनाव और मेहनत की वजह से आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है ध्यान रखें

तुला

जोरिखम भरे कामों से दूर रहे अनावश्यक सलाह ना दें

वृश्चिक

अपने आसपास की परिस्थितियों में बदलाव महत्सु करेंगे आज की मेहनत भविष्य में अच्छे परिणाम दे सकती है

धनु

व्यवसाय में अत्यधिक भाग दोड़ बनी रहेगी स्वास्थ्य पर अवश्य ध्यान दें

मकर

परिवार जनों के आपसी सहयोग से माहौल सकारात्मक बना रहेगा वाहन सावधानी पूर्वक चलाएं

कुंभ

शांतिपूर्ण तरीके से काम करने की कोशिश करें तनाव से दूर रहने की कोशिश करें

मीन

संतुलित आहार ले दिनचर्या को सुधारने की कोशिश करें

विचार प्रवाह

प्रकृति, संस्कृति और समाज को जोड़ता सतत पर्यटन

विश्व पर्यटन दिवस (27 सितम्बर) पर विशेष)

पर्यटन केवल मनोरंजन, सैर-सपाटे या विश्राम का माध्यम नहीं है, यह मानव सभ्यता के विकास में निरंतर योगदान देने वाला एक ऐसा वैश्विक उद्योग है, जिसने संस्कृतियों को जोड़ा, विविधताओं को समझने का अवसर दिया और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया। ‘संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन’ द्वारा प्रतिवर्ष 27 सितम्बर को मनाया जाने वाला यह दिवस विश्व समुदाय को पर्यटन के बहुआयामी महत्व और इसके दूरगामी प्रभावों पर पुनर्विचार करने का अवसर प्रदान करता है। पर्यटन का दुनिया की अर्थव्यवस्था में स्थान असाधारण है। वैश्विक स्तर पर यह उद्योग प्रतिवर्ष अरबों डॉलर का राजस्व उत्पन्न करता है और करोड़ों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर प्रत्येक दस में से एक नौकरी पर्यटन से जुड़ी है। विकसित देशों के साथ-साथ विकासशील राष्ट्रों की अर्थव्यवस्था में भी यह एक प्रमुख आधार स्तंभ के रूप में कार्य करता है। भारत की बात करें तो यह क्षेत्र देश की जीडीपी में लगभग 10 प्रतिशत योगदान देता है और सीधे या अपरोक्ष रूप से पांच करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। विश्व पर्यटन दिवस का महत्व इसलिए और भी बढ़ जाता है क्योंकि यह हमें केवल आर्थिक आंकड़ों की चमक पर नहीं बल्कि उन सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों पर भी ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है, जिन्हें पर्यटन उद्योग के सतत विकास के लिए प्राथमिकता देना आवश्यक है।

पर्यटन सामाजिक समानता और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। जब एक यात्री किसी दूसरे देश, राज्य या संस्कृति से जुड़ता है तो यह केवल यात्रा नहीं होती बल्कि यह संवाद, सहअस्तित्व और समझदारी का अवसर बनती है। एक और यह यात्रियों को नए अनुभव और दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो दूसरी ओर स्थानीय समुदायों को अपनी संस्कृति, परंपराओं



और जीवनशैली को साझा करने का अवसर देता है। यही कारण है कि पर्यटन सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और पारंपरिक कलाओं, शिल्प और रीति-रिवाजों को पुनर्जीवित करने में मदद करता है। कई बार जो कला या परंपरा लुप्त होने के कगार पर होती है, वह पर्यटन के कारण नए जीवन का संचार प्राप्त करती है। आधुनिक समय में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियां पर्यटन के समक्ष सबसे बड़ी बाधाएं बनकर उभरी हैं। पर्यटन का अत्यधिक और अनियंत्रित विकास कई बार प्राकृतिक पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ देता है। पर्वतीय क्षेत्रों में अत्यधिक पर्यटकों का दबाव ग्लेशियरों और प्राकृतिक संसाधनों पर प्रतिकूल असर डालता है, समुद्र तटों पर अनियंत्रित पर्यटन समुद्री जीवन को खतरे में डालता है और ऐतिहासिक धरोहरों पर भीड़भाड़ से उनका संरक्षण कठिन हो जाता है। यही कारण है कि ‘सतत पर्यटन’ की अवधारणा आज सर्वाधिक चर्चा में है। सतत पर्यटन का अर्थ है ऐसा पर्यटन, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग हो, स्थानीय समुदायों को अधिकतम लाभ मिले और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण सुरक्षित रहे। इस दिशा में अनेक देशों ने उल्लेखनीय पहल की है। उदाहरणस्वरूप, भूटान ने पर्यटन पर ‘हैडि कैल्यू, लो वॉल्यूम’ नीति अपनाई है, जिसके अंतर्गत वह पर्यटकों

न देख अशोक अपना आपा खोने लगा। वह किसी भी तरह अपने दोस्त आदर्श को इस प्रकरण से बाहर निकालना चाहता था। वह समझ चुका था कि अब सीधी उंगली से घी नहीं निकलेगा और न ही कानूनी प्रक्रिया से हल निकलने वाला। वह समझ चुका था कि आगे की परिस्थितियाँ सम्हलने हेतु अब उसे खुद ही कोई निर्णय लेना होगा। बार-बार समझाने के बाद भी जब आदर्श उसके अनुसार आगे बढ़ने हेतु तैयार नहीं हुआ तो अशोक चिल्ला पड़ा-

‘अब आगे कुछ मत कहना आदर्श।’

तुझे क्या पता कि कितनी बार इन लोगों ने तुझे अपने रास्ते से हटाना चाहा लेकिन मैंने कभी ऐसा होने नहीं दिया। मेरी व्यस्तताओं के कारण इस बार इन लोगों को मौका मिल गया और तुझे अभिमन्यु के चक्रव्यूह में फँसा लिया। मैं जानता हूँ अभिमन्यु का क्या हश्र हुआ था, लेकिन मैं यह भी अच्छी तरह से जानता हूँ कि वह द्वारप युग था, कलयुग नहीं। इस कलयुग में हर मुसीबत का निदान है। कैसे सरकार बनाना है, कैसे सरकार गिराना है। किसका कैरियर चौपट करना है और किसका बनाना है। और तो और किसके साथ कब तथा कैसा सलूक करना है मुझे सब पता है। मैंने तो यह भी पढ़ा है कि एक अन्याय, एक झूठ और एक हिंसा यदि किसी सच्चे इंसान को बचा ले तो वह गलत नहीं कहलाता। जमाना अब भी जिसकी लाठी उसकी भैंस वाला ही है।

हम तुम्हें बहुत अच्छे से जानते हैं आदर्श! तुमने कभी एक चींटी तो मारी नहीं, इन कुख्यात भेड़ियों से मुकाबला कैसे करोगे?

अशोक के क्रोधातिरेक को देखते हुए आदर्श बोला- भाई इस दुनिया में शराफत नाम की भी कोई चीज है कि नहीं। जब वक्त करवट बदलता है तो ये दबंगई, हत्याएं, लूटमार और आतंकी खौफ़ सब चूहे की तरह किसी बिल में छिप जाते हैं।

तब अशोक ने बड़े निराशा भरे भाव से कहा- मेरे भाई आदर्श! तब तक बहुत देर हो चुकी होगी और यही सब लोग तेरी शराफत पर ठाके लगाएंगे। यह भी तो शाश्वत सच है कि जब जीवन रहेगा तभी तो कुछ कर पाओगे। इसलिए अब मुझे मत रोकना।

-**डॉ विजय तिवारी ‘किसलय’ जबलपुर- 482002**

पितरों को तर्पण -मृत्यु के बाद भत्य श्राद्ध,पर जीते-जी बुजुर्गों व माता-पिता की उपेक्षा क्यों?

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता में माता-पिता,गुरु और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि जीवन-मृत्यु माना गया है।इसी भावना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वरूप है पितृ पक्ष,जिसमें मनुष्य अपने दिवंगत पूर्वजों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।वर्ष 2026 में तिथियों को लेकर 26 और 27 सितंबर का कुछ भ्रम दिखाई दे रहा है,किंतु मीडिया में आई पंचांग गणना के अनुसार 26 सितंबर 2026,शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा और पूर्णिमा श्राद्ध है,जबकि मिथ्य पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को सुप्रसिद्ध श्राद्ध से होगा और 10 अक्टूबर 2026,शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा।पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर को पितृ पक्ष से ठीक पहले पड़ता है।प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की रात प्रारंभ होने के कारण भी दोनों तारीखों को लेकर भ्रम पैदा होता है।सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इस प्रकार धार्मिक दृष्टि से 26 सितंबर का भी श्राद्ध संबंधी महत्व है,लेकिन प्रतिपदा से आरंभ होने वाली पितृ पक्ष 27 सितंबर से माना जाना अधिक सटीक है। पितृ पक्ष

2026 का सबसे बड़ा प्रश्न पंचांग की तारीख नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की तारीख बदलने का है। जिस देश की संस्कृति ‘मातृ देवो भव,पितृ देवो भव’ का संदेश देती है,उसी समाज के सामने आज यह असहज प्रश्न खड़ा है कि कहीं हम मृत्यु के बाद माता-पिता के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने में तो आगे नहीं बढ़ रहे, लेकिन उनके जीवित रहते हुए उनके लिए समय, संवाद, सम्मान और सहारा देने में पीछे तो नहीं हट रहे? तकनीकी और डिजिटल युग ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है, परंतु कई परिवारों में एक ही घर के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ने की चिंता भी लगातार व्यक्त की जाती है।नाई पीढ़ी शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और वैश्विक अवसरों के कारण शहरों तथा विदेशों तक

पहुंच रही है जो स्वयं में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रगति है लेकिन इस प्रगति का अर्थ माता-पिता और बुजुर्गों से भावनात्मक संबंध समाप्त होना नहीं हो सकता।तकनीक समस्या नहीं है; समस्या तब है जब सुविधा संवेदना की जगह लेने लगे।

साधियों बात अगर हम 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक दिन के श्राद्ध को समझने की करें तो 26 सितंबर 2026, शनिवार- पूर्णिमा श्राद्ध,27 सितंबर, रविवार-प्रतिपदा श्राद्ध, 28 सितंबर,सोमवार- द्वितीया श्राद्ध, 29 सितंबर, मंगलवार- तृतीया श्राद्ध और महाभरणी श्राद्ध 30 सितंबर,बुधवार- चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध, 1 अक्टूबर, गुरुवार- षष्ठी श्राद्ध, 2 अक्टूबर, शुक्रवार- सप्तमी श्राद्ध, 3 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी श्राद्ध, 4 अक्टूबर, रविवार- नवमी श्राद्ध, 5 अक्टूबर, सोमवार- दशमी श्राद्ध, 6 अक्टूबर, मंगलवार- एकादशी श्राद्ध, 7 अक्टूबर, बुधवार- द्वादशी और मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर, गुरुवार- त्रयोदशी श्राद्ध, 9 अक्टूबर, शुक्रवार- चतुर्दशी श्राद्ध, 10 अक्टूबर शनिवार सर्वपितृ अमावस्या

साधियों,सोशल मीडिया पर समय-समय पर ऐसे मार्मिक वीडियो,समाचार और दावे सामने आते रहते हैं जिनमें कहीं वृद्ध माता-पिता को अकेला छोड़ने, कहीं बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और कहीं संतान द्वारा अंतिम समय में भी उपस्थित न हो पाने जैसी घटनाएं दिखाई जाती हैं। प्रत्येक वायरल वीडियो की स्वतंत्र सत्यता जांचे बिना उसे पूरे समाज का प्रतिनिधि तथ्य नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा करती हैं,यदि माता-पिता जीवित रहते हुए हमारी उपस्थिति, प्रेम और सहारे के लिए तरसते रहें, तो उनके निधन के बाद विशाल आयोजन महो कर्मकांड और सार्वजनिक प्रदर्शन क्या उस

की संख्या सीमित रखते हुए गुणवत्तापूर्ण अनुभव प्रदान करता है ताकि पर्यावरणीय और सांस्कृतिक संतुलन बना रहे। इसी प्रकार यूरोप के कई देशों ने ‘ग्रीन टूरिज्म’ मॉडल को अपनाकर पर्यावरणीय जिम्मेदारी को प्राथमिकता दी है। भारत में भी सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें इको-टूरिज्म, ग्रामीण पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन को विशेष महत्व दिया जा रहा है। पर्यटन का महत्व शिक्षा और कौशल विकास के संदर्भ में भी कम नहीं है। यह न केवल यात्रियों को नई संस्कृतियों और भौगोलिक क्षेत्रों से परिचित कराता है बल्कि युवाओं को आतिथ्य, प्रबंधन, संचार और सांस्कृतिक समझ जैसे कौशल सीखने के अवसर भी देता है। भारत जैसे देश, जहां युवाओं की जनसंख्या बड़ी संख्या में है, पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से विशाल रोजगार और उद्यमिता के अवसर प्रदान कर सकते हैं। छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में होम-स्टे, स्थानीय गाइड सेवा, पारंपरिक व्यंजन और हस्तशिल्प आधारित पर्यटन न केवल युवाओं को आत्मनिर्भर बना सकते हैं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। पर्यटन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष शांति और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना है। जब विभिन्न देशों के लोग एक-दूसरे से जुड़ते हैं तो यह न केवल सांस्कृतिक समझ को बढ़ाता है बल्कि आपसी विश्वास और सहयोग की नींव भी रखता है। संयुक्त राष्ट्र ने भी पर्यटन को ‘शांति का दूत’ कहा है। इतिहास गवाह है कि जब भी देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान बढ़ा है, आपसी संबंध मजबूत हुए हैं। इसीलिए पर्यटन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं बल्कि वैश्विक शांति और सहयोग की दिशा में एक प्रभावी उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए।

डिजिटल तकनीक ने पर्यटन उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। ऑनलाइन बुकिंग, वचुअल टूर, एआई आधारित ट्रैवल गाइड और स्मार्ट पर्यटन समाधान ने यात्रियों के अनुभव को न केवल सरल बनाया है बल्कि अधिक सुलभ और सुरक्षित भी बनाया है। हालांकि तकनीक के उपयोग के साथ-साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी है। यात्रियों को अपने पर्यावरणीय

प्रभाव को कम करने, स्थानीय संस्कृति का सम्मान करने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने जैसी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। केवल सरकार या उद्योग नहीं बल्कि प्रत्येक यात्री को भी यह समझना होगा कि उसकी छोटी-सी आवृत्तें पर्यटन को सतत और परिवर्तनकारी बनाने में योगदान कर सकती हैं। भारत जैसे विविधताओं से भरे देश के लिए यह अवसर और चुनौती दोनों हैं। यहां हिमालय की पर्वत श्रृंखलाओं से लेकर केरल की बैकवाटर्स, राजस्थान के रेगिस्तान से लेकर पूर्वोत्तर की हरियाली, वाराणसी के घाटों से लेकर कश्मीर की वादियों तक असंमित संभावनाएं हैं लेकिन इन संभावनाओं के साथ जिम्मेदारियों का बोझ भी जुड़ा हुआ है। अगर पर्यटन को अनियंत्रित और असंतुलित तरीके से बढ़ने दिया गया तो यह न केवल प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाएगा बल्कि स्थानीय समुदायों और सांस्कृतिक विरासत को भी प्रभावित करेगा। इसलिए पर्यटन विकास की हर नीति में स्थिरता और समावेशिता को प्राथमिकता देनी होगी।

पर्यटन का असली अर्थ केवल यात्रा या मनोरंजन नहीं बल्कि सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय परिवर्तन है। जब हम पर्यटन को जिम्मेदारी से देखते हैं तो यह न केवल देशों की सीमाओं को जोड़ता है बल्कि दिलों को भी जोड़ता है। यह नए अवसरों के द्वार खोलता है, समाज को अधिक समान और समावेशी बनाता है और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और सुंदर पृथ्वी छोड़ने की दिशा में प्रेरित करता है। पर्यटन का उद्देश्य केवल आज की जरूरतें पूरी करना नहीं बल्कि आने वाले कल को भी सुरक्षित और समृद्ध बनाना है। यदि हम इस उद्योग को सतत परिवर्तन का वाहक बना सके तो यह न केवल करोड़ों लोगों की जिंदगी बदल देगा बल्कि एक बेहतर, अधिक न्यायसंगत और संतुलित दुनिया की नींव भी रखेगा। यह समय केवल पर्यटन की आर्थिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का नहीं बल्कि इसे सामाजिक प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक सहयोग का सशक्त माध्यम बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने का है।

(लेखक - योगेश कुमार गोयल /ईएमएस)

महाविनाश 'रूको ! '

पहाड़ों से दैत्याकार रूप धरे प्रचंड वेग से नीचे उतरती नदी से चट्टानों ने कहा।
' क्यों ? ' घनघोर आवाज के साथ नदी ने पूछा।
इतनी तेज जाओगी, तो तबाही मचाओगी।
धीरे-धीरे जाओ। ' चट्टानों ने सलाह दी।
' मुझे धीरे ही तो नहीं जाना है।' नदी ने चट्टानों से टकराकर उछलते हुए जवाब दिया।' क्यों बहना ? ' चट्टानों ने निरीह स्वर में प्रश्न किया।
' मालूम हुआ है कि धरती पर अत्याचार, अनाचार बढ़ गया है। नैतिकता ध्वस्त हो चुकी है। इंशान राक्षस, नराधम बन चुका है।धरती से सारे पापियों का विनाश करना है। ' नदी ने क्रोध में गरजते हुए कहा।' ममार तुम्हारी इस विनाशलीला से तो वे निर्दोष भी मारे जाएंगे, जिन्होंने पाप नहीं किया है ? ' चट्टानों ने स्वाभाविक प्रश्न किया।
' तो क्या हुआ ? जब पाप हो रहा था, तो ये लोग चुपचाप तमाशा क्यों देखते रहे उसका प्रतिरोध क्यों नहीं किया ?इसीलिए.....' अपनी बात पूरी किए बिना हह्राती - भरभराती - गड़गड़ती हुई नदी धरती की ओर बढ़ गयी।

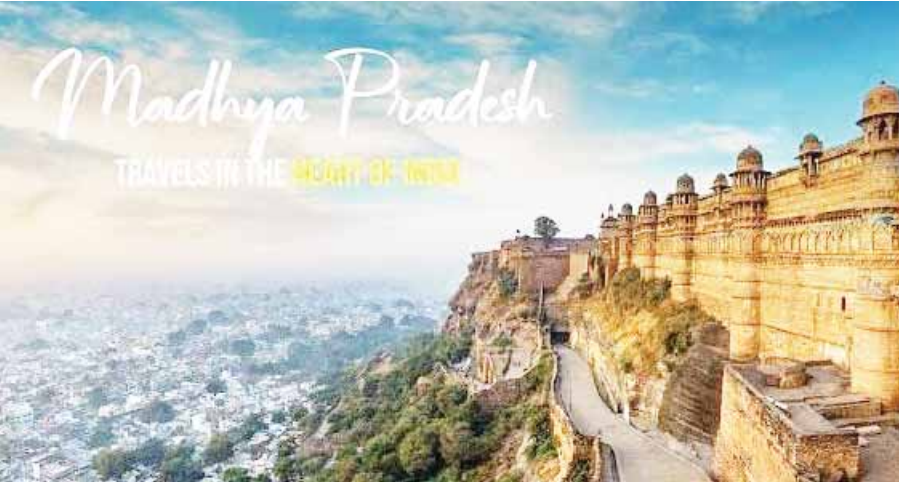
- डा.विजयानन्द विजय गाजियाबाद, उ.प्र.

पर्यटन के नक्शे पर मध्यप्रदेश की नई छलांग

2025 में 21 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, घरेलू आगमन 57% और विदेशी पर्यटकों की संख्या 9.10% बढ़ी

भोपाल, यश भारत ।

प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक विरासत और वन्यजीवों की विविधता के चलते मध्यप्रदेश ने वर्ष 2025 में पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाई हासिल की। प्रदेश में वर्षभर में 21 करोड़ 5 लाख 42 हजार 503 पर्यटकों का आगमन हुआ, जो 2024 के मुकाबले करीब 57 प्रतिशत अधिक है। इनमें 21 करोड़ 3 लाख 59 हजार 468 घरेलू और 1 लाख 83 हजार 35 विदेशी पर्यटक शामिल रहे। विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी 9.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पर्यटन स्थलों में उज्जैन 8 करोड़ 40 लाख से अधिक पर्यटकों के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद इंदौर में 2.80 करोड़, चित्रकूट में 1.62 करोड़ और मैहर में 1.61 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे।



दतिया का रतनगढ़ मंदिर, नलखेड़ा का मां बगलामुखी मंदिर, अमरकंटक, जामसांवली और पीताम्बरा पीठ भी प्रमुख आस्था केंद्र रहे। कुल मिलाकर करीब 16.92 करोड़ श्रद्धालुओं ने प्रदेश के धार्मिक

स्थलों का भ्रमण किया। धार्मिक पर्यटन के साथ विरासत पर्यटन ने भी अपनी पहचान मजबूत की। वर्ष 2025 में करीब 59 लाख पर्यटक ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थलों पर पहुंचे। भोजपुर,

ग्वालियर, मांडू, खजुराहो, सांची, भीमबेटका और ओरछा प्रमुख आकर्षण रहे। अशोकनगर के पास प्राणपुर को देश का पहला क्राफ्ट हैंडलूम पर्यटन गांव विकसित किया गया है, जहां पर्यटक चंदेरी बुनकरों

की पारंपरिक कला को करीब से देख और हस्तशिल्प खरीद सकते हैं। वन्यजीव पर्यटन प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा। कान्हा, बांधवगढ़, पन्ना, पेंच और सतपुड़ा सहित राष्ट्रीय उद्यानों और टाइगर रिजर्व में करीब 17 लाख वन्यजीव पर्यटक पहुंचे। विदेशी सैलानियों में भी वन्यजीव पर्यटन की विशेष रुचि रही। प्रदेश आए विदेशी पर्यटकों में से 93,412 यानी 51 प्रतिशत से अधिक ने वन्यजीव क्षेत्रों का भ्रमण किया। बांधवगढ़ में 31390 और कान्हा में 23992 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जबकि कुनो में प्रोजेक्ट चीता के चलते 6,316 विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ। पर्यटन के नए क्षेत्रों में भी विस्तार किया जा रहा है। प्रदेश के छह गांवों

को एस्ट्रो विलेज के रूप में विकसित किया जा रहा है। करीब 666 होम स्टे संचालित हैं और युवाओं को पर्यटन से जोड़ने के लिए पर्यटन कौशल मिशन शुरू किया गया है। हनुवंतिया जल महोत्सव, गांधीसागर फ्लोटिंग फेस्टिवल, कुनो फॉरेस्ट फेस्टिवल और चंदेरी फेस्टिवल जैसे आयोजन साहसिक एवं अनुभव आधारित पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम, महेश्वर में देवी अहिल्या बाई लोक और विभिन्न पर्यटन स्थलों पर अधोसंरचना विकास के साथ हेली पर्यटन और बेहतर कनेक्टिविटी पर भी जोर दिया जा रहा है। इस तरह धार्मिक, विरासत, ग्रामीण, वन्यजीव और साहसिक पर्यटन के विस्तार से मध्यप्रदेश का पर्यटन क्षेत्र लगातार व्यापक होता जा रहा है।



मेरे सपनों का भारत में बच्चों ने उकेरी कल्पनाओं की तस्वीरें

भोपाल, यश भारत । सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को हिन्दी भवन में मेरे सपनों का भारत विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, महापौर मालती राय और विधायक भगवानदास सबनानी ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा तैयार चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर बच्चों की रचनात्मकता की सराहना की और उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, मनोज राठौर, आरके सिंह बघेल, अशोक वाणी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन जाट सहित तीर्थ सिंह मीणा, प्रदीप शेखावत, चैतन्य भार्गव, डॉ. योगेंद्र मुखर्ष्या, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक, प्रतिभागी विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

गणेश विसर्जन पर निकली आकर्षक झांकियां



आष्टा, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी पर आष्टा में गणेश विसर्जन चल समारोह के दौरान देर रात तक आकर्षक झांकियां निकाली गईं। करीब एक दर्जन गणेश मंडलों ने पौराणिक प्रसंगों और गौ संरक्षण पर आधारित झांकियां प्रस्तुत कीं। सिविल अस्पताल चौराहे से शुरू हुआ चल समारोह परदेसीपुरा चौराहे पहुंचा। नगरपालिका की ओर से बनाए गए मंच पर नपाध्यक्ष हेमकुंवर मेवाड़ा और नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने गणेश मंडलों और झांकी कलाकारों का स्वागत किया। झांकियों की 5100, 7100 और 11 हजार रुपए के नगद पुरस्कार दिए गए। विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर सहित जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे।



माही कंडारे का राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में चयन

आष्टा, यश भारत । सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा माही कंडारे का राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर उन्होंने स्वर्ण पदक जीता। अब माही मणिपुर में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। शनिवार को सिद्धीकगंज में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के दौरान विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर और कलेक्टर बालागुरु के. ने माही को सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य सितवत खान ने बताया कि स्कूल में खेल सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महापौर मालती राय ने आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का किया शुभारंभ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों का सम्मान

भोपाल, यश भारत ।

हिन्दी भवन में शनिवार को आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के तहत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। महापौर मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा दीदियों को उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महापौर ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कार्यकर्ताओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर लोगों तक शासन की विभिन्न सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर महापौर परिषद के सदस्य एवं जिला भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र यती, आर.के. सिंह



बघेल, सुषमा बावीसा, जोन अध्यक्ष ब्रजुला बबोता डोंगरे, अनिता शुक्लारे, गिरिजा खटीक, सचान, आरती अनेजा, पूजा शर्मा और विनीता विभागीय अधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सोनी सहित पार्षद प्रियंका मिश्रा, सरोज असेरी, आशा दीदियां मौजूद रही।

बालरंग प्रतियोगिता में मार्टिनेट को दूसरा स्थान



आष्टा, यश भारत । जिला स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता में मार्टिनेट कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल अलीपुर के विद्यार्थियों ने समूह लोकगीत विधा में दूसरा स्थान हासिल किया। उत्कृष्ट विद्यालय सीहोर में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने म्हाहरो पियरलो घणो प्यारो लागे लोकगीत प्रस्तुत किया। रचना ठाकुर, मुस्कान वर्मा और संगीत शिक्षक शाश्वत यादव के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। माही महेश्वरी, तनूजा वर्मा, ग्रंथ मेवाड़ा, देवांशी शर्मा, माही शर्मा और आरवी महेश्वरी ने सहभागिता की। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

अरिहंत पुरम से निकली जलयात्रा



आष्टा, यश भारत । पर्वण पर्व के अवसर पर अरिहंत पुरम अलीपुर स्थित श्री चंद्रप्रभु जिन मंदिर से दिगंबर जैन समाज ने भव्य जलयात्रा निकाली। श्रद्धालु भजन और जयकारों के साथ यात्रा में शामिल हुए। अलीपुर चौराहे पर रायसिंह मेवाड़ा मित्र मंडल ने समाजजनों का साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान मुनिश्री के चरण वंदन कर आशीर्वाद लिया गया। समाज के पदाधिकारी, पार्षद और अन्य लोग मौजूद रहे।

44 हजार 510 गणेश प्रतिमाओं का हुआ विधि-विधान से विसर्जन



भोपाल, यश भारत ।

अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भोपाल नगर निगम द्वारा गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए की गई व्यवस्थाओं के बीच शहर में बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विधि-विधान और ससम्मान विसर्जन कराया गया। 7 स्थायी विसर्जन घाटों और 29 अस्थायी विसर्जन स्थलों पर 42 हजार 318 छोटी तथा 2 हजार 197 बड़ी प्रतिमाओं सहित कुल 44 हजार 510 प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। महापौर मालती राय और निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने विभिन्न विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और घाटों पर स्वच्छता व्यवस्था लगातार बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निगम ने प्रमुख घाटों पर क्रैन, नाव, गोताखोर और अग्निशमन दल की तैनाती की है। पहुंच मार्गों पर प्रकाश, पेयजल और सफाई की व्यवस्था के साथ स्थायी घाटों पर नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए हैं। जोन स्तर पर

प्रतिमाओं के एकत्रीकरण के लिए टेंट, मेज-कुर्सियां, विसर्जन पात्र और पूजा सामग्री के लिए अलग-अलग पात्र उपलब्ध कराए गए हैं। प्रतिमाओं के परिवहन के लिए 30 विशेष विसर्जन वाहन लगाए गए हैं। निर्माल्य सामग्री को सूखा और गीला अलग कर उसके निष्पादन की व्यवस्था भी की गई है। प्रमुख घाटों में प्रेमपुरा में 7353 छोटी और 620 बड़ी, रानी कमलापति में 6300 छोटी और 140 बड़ी, खटलापुरा में 6231 छोटी और 270 बड़ी, शाहपुरा में 6103 छोटी और 234 बड़ी, बैरागढ़ में 5501 छोटी और 282 बड़ी, मालीखेड़ी में 3500 छोटी और 167 बड़ी तथा हथाईखेड़ा में 7330 छोटी और 484 बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। निगम आयुक्त ने शाहपुरा, हथाईखेड़ा, खटलापुरा, रानी कमलापति और प्रेमपुरा घाटों का निरीक्षण कर अधिकारियों को विसर्जन प्रक्रिया सुचारू बनाए रखने और घाटों की लगातार सफाई कराने के निर्देश दिए।

राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिताओं में अधिकारियों कर्मचारियों व विद्यार्थियों ने लिया भाग

भोपाल, यशभारत । एम्स भोपाल में 15 दिवसीय हिंदी पखवाड़ा 2026 के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में श्रुतलेख हिंदी काव्यपाठ और राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिताएं संपन्न हुईं। 17 सितंबर को श्रुतलेख एवं हिंदी काव्यपाठ प्रतियोगिता हुई जिसमें अधिकारियों कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। काव्यपाठ में प्रतिभागियों ने रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। 18 सितंबर को हिंदीतर भाषी अधिकारियों कर्मचारियों के लिए विशेष काव्यपाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें गुप ए और बी के अधिकारियों ने सहभागिता की। 22 सितंबर को राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता हुई, जिसमें गुप ए बी एवं सी के कर्मिक शामिल हुए। प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिंदी भाषा लेखन काव्य अभिव्यक्ति एवं राजभाषा संबंधी ज्ञान को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। एम्स भोपाल में आयोजित हिंदी पखवाड़े का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक और प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना है। संस्थान का राजभाषा प्रकोष्ठ हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए नियमित रूप से प्रतियोगिताओं गतिविधियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है।

शहादत दिवस पर संस्कार में कार्यक्रम में भारत-पाकिस्तान युद्ध के जाबांज शहीद प्रेम रामचंदानी का स्मरण

हिरदाराम नगर, यशभारत

दीपमाला संस्कार पब्लिक स्कूल में सन् 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के वीर शहीद फ्लाईंग ऑफिसर प्रेम रामचंदानी को उनके शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में संस्था के सचिव बसंत चेलानी एवं कोषाध्यक्ष चंद्र नागदेव ने सैनिक के चित्र पर माल्यार्पण कर शत-शत नमन किया। चेलानी ने शहीद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 19 अक्टूबर 1941 को जन्मे प्रेम रामचंदानी ने मात्र 24 वर्ष की अल्पायु में ही 26 सितम्बर 1965 को देश के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। 1965 के युद्ध के दौरान उन्होंने पाकिस्तान में 9 बार सफल



बमबारी की। 10वां बार दुश्मन के हमले से उनका विमान क्षतिग्रस्त हो गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। 26 सितम्बर को उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके अंतिम शब्द थे- 'मुझे अफसोस है कि अपने देश पर न्योछावर करने के लिए मेरे पास केवल एक ही जीवन है। '

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य आर. के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, मोटेसरी ईचार्ज प्रियांशी आडवानी, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा विद्यार्थियों ने भी शहीद प्रेम रामचंदानी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और विचारों से अवगत हुई छात्राएं

हिरदाराम नगर, यशभारत

पंडित दीनदयाल उपाध्याय कन्या महाविद्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 'युग ऋषि' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत तरीके से मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रिया बुधानी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। नवयुवक सभा के अध्यक्ष वासदेव वाधवानी, उपाध्यक्ष महेश दयारामानी, महासचिव राजेश हिंगोरांनी एवं भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कोठारी ने पंडित जी के व्यक्तित्व, कृतित्व और गूढ़ विचारों पर प्रकाश डाला। छात्रा नंदिनी धानक ने भाषण तथा तमन्ना नागर ने गीत की प्रस्तुति दी। इस दौरान 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े की प्रतियोगिताओं के



विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा पंडित जी के जीवन पर आधारित वृत्तचित्र दिखाया गया। कार्यक्रम में सचिव सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष धर्म प्रकाश मोटवानी



मिठी-नवनिध स्कूल में आयोजन हुआ

शिक्षाविद् ईश्वर चंद्र विद्यासागर को याद किया बच्चों ने

हिरदाराम नगर, यशभारत

नवनिध और मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत परंपरागत तरीके से हुई। कार्यक्रम में साधु वासवानी सदन की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विचारोत्तेजक नाटक रहा। अभिनय के जरिए छात्राओं ने स्त्री शिक्षा, विधवा पुनर्विवाह और सामाजिक समानता के लिए विद्यासागर द्वारा किए गए ऐतिहासिक प्रयासों को जीवंत कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या अमृता मोटवानी ने कहा कि ईश्वर चंद्र

विद्यासागर द्वारा तैयार किए गए मजबूत आधार के कारण ही आज महिलाएँ शिक्षित होकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम का संचालन छात्रा नैना गोस्वामी एवं नीलम सखलानी ने किया। मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल में पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर की जयंती पर विशेष सभा आयोजित हुई। छात्रों ने प्रेरणादायी लघु नाटिका प्रस्तुत की। प्राचार्या रेखा केवलानी एवं उप-प्राचार्या दिव्या कुपलानी ने उनके जीवन-आदर्शों को अपनाकर समाज सुधार व शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। संचालन कंचन जावरानी ने किया।

बाणसागर के विस्थापितों का सवाल

जमीन गई तो बसने की जगह कब मिलेगी?

500 परिवार कलेक्ट्रेट पहुंचे, आठ महीने से वनभूमि में झोपड़ियों में रहने का दावा; बेदखली से पहले स्थायी पुनर्वास की मांग

कटनी, यशभारत। बाणसागर परियोजना के लिए जमीन और घर गंवाने वाले करीब 500 परिवार अब अपने ठिकाने के लिए प्रशासन के दरवाजे पर हैं। विजयराघवगढ़ तहसील के पिपरा, बम्होरी, कुसमा सहित आसपास के गांवों से आए विस्थापित कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कहा कि परियोजना ने उन्हें विस्थापित तो कर दिया, लेकिन अब तक स्थायी पुनर्वास नहीं मिला। ऐसे में वनभूमि में बनाई गई झोपड़ियों से भी हटाने की कार्रवाई हुई तो परिवारों के सामने रहने का संकट खड़ा हो जाएगा।

ग्रामीणों के अनुसार, करीब आठ माह से वे वनभूमि में अस्थायी झोपड़ियां बनाकर रह रहे हैं। उनका कहना है कि इस दौरान वे शांतिपूर्वक वहां रह रहे थे और संबंधित अधिकारियों को भी स्थिति की जानकारी थी। अब वन विभाग की ओर से झोपड़ियां हटाने की कार्रवाई की बात सामने आने के बाद विस्थापित परिवारों में आक्रोश है।



थाने बुलाने के बाद बड़ी चिंता

ग्रामीणों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि 22 सितंबर को विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी और वन विभाग के अधिकारियों ने उन्हें थाने

बुलाया। वहां आधार कार्ड और मोबाइल नंबर दर्ज किए गए। इसके बाद वनभूमि खाली करने और झोपड़ियां हटाने के निर्देश दिए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि ऐसा नहीं करने पर प्रकरण दर्ज करने की चेतावनी भी

दी गई। ग्रामीणों ने कहा कि वे विवाद नहीं चाहते, लेकिन बिना वैकल्पिक व्यवस्था के हटाए जाने की कार्रवाई उनके लिए परिवार समेत खुले आसमान के नीचे आने जैसी स्थिति पैदा कर देगी।

परियोजना के समय पुनर्वास, अब कार्रवाई का डर

कलेक्ट्रेट पहुंचे आदिवासी प्रतिनिधियों रूप सिंह, नंदलाल कोल, राजा कोल, चंद्रावती सिंह और छोटू कोल ने प्रशासन के सामने पुनर्वास नीति के क्रियान्वयन का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि जब परियोजना के लिए परिवारों की जमीन और घर प्रभावित हुए हैं तो प्रभावित परिवारों के स्थायी पुनर्वास की जिम्मेदारी भी प्रशासन की है। ग्रामीणों ने मांग की कि वनभूमि पर उन्हें बसाना संभव नहीं है तो जिले में उपयुक्त राजस्व भूमि चिन्हित कर आवास और भूमि उपलब्ध कराई जाए।

70 किलोमीटर पैदल चल चुके, फिर भी समाधान नहीं

विस्थापित ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर पहले भी करीब 70 किलोमीटर पैदल चलकर कलेक्टर और वन विभाग के अधिकारियों तक पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं होने से समस्या जस की तस बनी हुई है। अब एक बार फिर कलेक्ट्रेट पहुंचकर ग्रामीणों ने प्रशासन से पहले पुनर्वास, फिर कोई कार्रवाई की मांग रखी है।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगें

- बेदखली और आपराधिक कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए।
- वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना झोपड़ियां न हटाई जाएं।
- करीब 500 परिवारों के लिए स्थायी पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।
- वनभूमि पर अधिकार संगत नहीं होने पर राजस्व भूमि उपलब्ध कराई जाए।
- बाणसागर परियोजना से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास संबंधी मामलों का शीघ्र निराकरण किया जाए।

इस बार 14.8% कम बरसा पानी

26 सितंबर तक 926.2 मिमी औसत बारिश, स्लीमनाबाद सबसे आगे
कटनी, यशभारत। जिले में इस मानसून सीजन में अब तक औसत बारिश पिछले साल की तुलना में कम दर्ज हुई है। 1 जून से 26 सितंबर तक जिले में 926.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1087.4 मिमी के मुकाबले 14.8 प्रतिशत कम है। इस वर्ष स्लीमनाबाद में सबसे अधिक 1180.4 मिमी बारिश दर्ज हुई। रीठी में 1103.7, दीमरखेड़ा में 982.8, विजयराघवगढ़ में 972.3, बहोरीबंद में 847.3, कटनी में 857, बरही में 742 और बड़वारा में 720.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

मीडिया कवरेज को लेकर कानूनी सावधानी

मृतक के परिजनों की पहचान और संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक न करने की मांग, न्यायालयीन अनुमति का मुद्दा उठा

कटनी, यशभारत। विशेष न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण क्रमांक 59/2026 को लेकर मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जानकारी के प्रकाशन को लेकर न्यायालय में आपत्ति दर्ज कराई गई है। मृतक के परिजनों की ओर से अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत आवेदन में कहा गया है कि प्रकरण से जुड़ी सामग्री के

प्रकाशन से उनकी पहचान, निजता और सुरूषा प्रभावित हो सकती है। आवेदन में परिजनों के नाम, पता, पारिवारिक विवरण और अन्य संवेदनशील जानकारी सार्वजनिक नहीं करने की मांग की गई है। वहीं अभियोजन विभाग ने भी विचाराधीन प्रकरण से जुड़े पीडित, आश्रित, साक्षियों और न्यायालयीन कार्यवाही से

संबंधित सामग्री के प्रकाशन को न्यायालय की अनुमति और लागू विधिक प्रावधानों के अनुरूप रखने का अभिमत दिया है। मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के कारण प्रकरण से जुड़े तथ्यों के प्रकाशन में न्यायालयीन मर्यादा और विधिक प्रावधानों के पालन पर जोर दिया गया है।



‘मेरे सपनों का भारत’ में बच्चों ने उकेरी कल्पना

सानिध्य प्रथम, प्रिया पटेल द्वितीय और प्रगति काक्षी तृतीय
कटनी, यशभारत। सेवा संकल्प अभियान के तहत झिंझरी स्थित सांदीपन स्कूल में ‘मेरे सपनों का भारत’ थीम पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता हुई। विद्यार्थियों ने चित्रों के जरिए अपने सपनों के भारत की कल्पना प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में सानिध्य प्रथम, प्रिया पटेल द्वितीय और प्रगति काक्षी तृतीय रहे। विजेताओं को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए गए।

टमाटर की खेती से बड़ी किसान की आय

आधुनिक तकनीक अपनाने और बेहतर उत्पादन की बात
कटनी, यशभारत। बड़वारा के ग्राम बडेरा निवासी किसान रमन चौधरी की टमाटर की खेती को उद्यानिकी विभाग ने योजना के लाभ से आय बढ़ने का उदाहरण बताया है। विभाग के अनुसार मिशन उद्यानिकी योजना के सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन से रमन ने आधुनिक तरीके से टमाटर की खेती अपनाई, जिससे बेहतर उत्पादन मिला और आमदनी में वृद्धि हुई। विभाग का कहना है कि रमन अब गांव के अन्य किसानों को भी उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए प्रेरित कर रहे हैं। हालांकि विभाग ने उत्पादन और आय में हुई वृद्धि के वास्तविक आंकड़े जारी नहीं किए हैं।

कलेक्टर-एसपी ने लिया जायजा, बैंगन, गोभी सहित अन्य फसलों के उत्पादन की भी ली जानकारी
17 एकड़ के पॉलीहाउस में शिमला मिर्च की खेती

कटनी, यशभारत। ग्राम कौड़िया में किसान तेजिन्दर सिंह द्वारा करीब 17 एकड़ में विकसित पॉलीहाउस में शिमला मिर्च सहित विभिन्न फसलों की आधुनिक खेती का कलेक्टर आशीष तिवारी और एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने अवलोकन किया। अधिकारियों ने फसल उत्पादन, तकनीक और प्रबंधन की जानकारी ली। पॉलीहाउस में शिमला मिर्च की विभिन्न प्रजातियों के अलावा बैंगन, गोभी सहित अन्य फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। किसान ने अधिकारियों को फसल चयन, उत्पादन प्रक्रिया और पॉलीहाउस में अपनाई जा रही तकनीकों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने नियंत्रित वातावरण में खेती के जरिए उत्पादन और गुणवत्ता बढ़ाने के प्रयासों का जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर और डीएफओ गवित गंगवार भी मौजूद रहे।



उमरियापान अस्पताल में रक्तदान

भारत विकास परिषद ने रक्तदान किया, बच्चों के लिए झूले-फिसलपट्टी और पौष्टिक सामग्री भी उपलब्ध कराई

कटनी, यशभारत। उमरियापान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद कटनी शाखा के सदस्यों ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त संग्रह में सहयोग किया। रक्तदान के साथ परिषद की ओर से अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले बच्चों की सुविधा के लिए झूले और फिसलपट्टी उपलब्ध कराई गई। बच्चों को पौष्टिक सामग्री भी वितरित की गई। इससे अस्पताल में उपचार के दौरान बच्चों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की पहल की गई।



शिविर में परिषद अध्यक्ष नीतू लालवानी, विपिन तिवारी, राकेश अग्रवाल, प्रमोद त्रिसोलिया, सेवा

प्रमुख आकांक्षा केशरवानी, नवीन केशरवानी, नयन अग्रवाल, अन्नू अग्रवाल, अनिल लालवानी और कीर्ति बिचपुरिया सहित बीएमओ डॉ. बीके प्रसाद मौजूद रहे। रक्तदान शिविर के आयोजन में जिला चिकित्सालय कटनी के ब्लड बैंक स्टाफ तथा उमरियापान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का सहयोग रहा।

युवाओं ने लिया सेवा का संकल्प

नोबल हार्ट पब्लिक स्कूल में पोस्टर विमोचन

कटनी, यशभारत। नोबल हार्ट पब्लिक स्कूल कटनी में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के 58वें स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. रुक्मणी प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। संचालक अनिल गर्ग विशिष्ट अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता श्रीमती रचना गर्ग ने की। कार्यक्रम में ‘विकसित भारत-विकसित युवा’, नशा मुक्त भारत और सेवा संकल्प अभियान की भावना को केंद्र में रखते हुए पोस्टर का विमोचन किया गया। कक्षा 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ सहभागिता की।

इस दौरान विद्यार्थियों को स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य एवं जागरूकता, रक्तदान, शैक्षिक सहयोग और सामुदायिक सेवा जैसी गतिविधियों के



महत्व की जानकारी दी गई। अतिथियों ने विद्यार्थियों को सेवा और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर संवाद किया। पोस्टर विमोचन के बाद विद्यार्थियों से संवाद कर विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2027 में सहभागिता के अवसरों की जानकारी दी गई। युवाओं को अपनी प्रतिभा, विचार और नेतृत्व क्षमता को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

1713 आंगनवाड़ी केंद्रों में गूंजा सेवा का संदेश

आंगन मिलन में बच्चों से लेकर माताओं तक संवाद, 17,310 हितग्राही जुड़े; 4,750 आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान



कटनी, यशभारत। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों को जनसंवाद और सेवा गतिविधियों के केंद्र के रूप में जोड़ा गया। जिले के सभी 1713 आंगनवाड़ी केंद्रों में आयोजित ‘आंगन मिलन’

कार्यक्रम में बच्चों, माताओं और महिला हितग्राहियों से संवाद के साथ स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पत्र का वाचन

और वीडियो संदेश का प्रदर्शन किया गया। वहीं आंगनवाड़ी केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण और स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। बच्चों के लिए खेल में शिक्षा का प्रयोग 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए शाला पूर्व शिक्षा आधारित गतिविधियां कराई गईं। खेल और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को सीखने के अवसर दिए गए। दूसरी ओर 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों की माताओं, गर्भवती और धात्री महिलाओं सहित अन्य महिला हितग्राहियों से संवाद कर स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। विभाग के अनुसार कार्यक्रम में 17,310 हितग्राहियों की सहभागिता रही।

सेवा देने वालों को मिला सम्मान

महिला एवं बाल स्वास्थ्य तथा पोषण के क्षेत्र में सेवाओं के लिए 3150 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं और 1600 आशा कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके कार्यों की सराहना करते हुए सेवा गतिविधियों को आगे भी प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया।

खाद संकट के बीच 871 टन यूरिया की खेप

झुकेही से केंद्रों तक पहुंचेगी खाद, ई-टोकन से वितरण के निर्देश

कटनी, यशभारत। जिले में खरीफ फसलों के लिए नीम कोटेड यूरिया की 871 मीट्रिक टन की दो रैक झुकेही पहुंची हैं। यहां से यूरिया को जिले के विभिन्न डबल लॉक केंद्रों और सहकारी संस्थाओं को आवंटित किया जा रहा है। कटनी डबल लॉक को 30, बहोरीबंद

140, स्लीमनाबाद 159 और बरही को 140 मीट्रिक टन यूरिया आवंटित की गई है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक को 270, सीएमएस कटनी व उमरियापान-दीमरखेड़ा को 30-30 तथा एमपी एग्रो कटनी को 72 मीट्रिक टन आवंटित किया गया है। कलेक्टर आशीष तिवारी

ने ई-टोकन के माध्यम से ही खाद वितरण कराने के निर्देश दिए हैं। किसानों को आवश्यकता के अनुसार संतुलित मात्रा में उर्वरक इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। ई-विकास 2.0 के तहत वाट्सएप बॉट से टोकन जनरेट करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

आंगनबाड़ी की बढ़हाल व्यवस्था पर पर्यवेक्षक को नोटिस

टूटी छत के नीचे मिले बच्चे, पोषण आहार में कमी; 2019 के बाद निरीक्षण पंजी में नहीं दर्ज हुई टीप

कटनी, यशभारत। आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं की जांच में सामने आई कमियों पर महिला एवं बाल विकास विभाग ने सख्ती दिखाई है। निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थाएं मिलने पर पर्यवेक्षक राजाबाई दीवान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच में पिपरीध आंगनबाड़ी केंद्र में छत क्षतिग्रस्त हालत में मिली और बच्चे उसी परिसर में बैठे मिले। केंद्र पर पोषण आहार की मात्रा भी निर्धारित स्तर से कम पाए जाने की बात सामने आई। पहाड़ी नंबर-2 आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण पंजी में 29 नवंबर 2019 के बाद कोई निरीक्षण टीप दर्ज नहीं मिली। यहां बिजली का तार भी जमीन से करीब 5-6 फीट की ऊंचाई पर होने की जानकारी दी गई। भानपुरा केंद्र में भी बच्चों को दिए जाने वाले पोषण आहार में कमी मिली। विभाग ने इन कमियों को गंभीरता से लेते हुए पर्यवेक्षक से जवाब मांगा है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर दो वार्षिक वेतनवृद्धियां रोकने जैसी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

एशियाई खेलों में गुलवीर ने रजत पदक जीता



आइची (ईएमएस)। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। गुलवीर ने 28:29.38 का समय निकालकर पोलैंड पर अपनी जगह पक्की करने के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक रजत और जोड़ दिया। गुलवीर ने पिछले एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पिछले संस्करण में उन्होंने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है।

पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर ने 28:29.38 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक बहरीन के

बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ जीता, जबकि अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

गुलवीर ने इससे पहले ग्लासो राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक और 5,000 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में भी उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी धाक जमाई थी। पिछले दो सालों से वह लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय लंबी दूरी की दौड़ में एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं।

भारतीय एथलीट सावन ने मैराथन में रजत जीतकर बनाया रिकार्ड



आइची (ईएमएस)। यहां जारी एशियाई खेलों में भारतीय एथलीट सावन बरवाल ने मैराथन दौड़ में पदक जीतने के साथ ही एक नया रिकार्ड बनाया है। इस स्पर्धा में सावन ने 2 घंटे 11 मिनट 36 सेकंड का

समय निकालते हुए रजत पदक जीता। यह न केवल उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को दर्शाता है, बल्कि इससे 44 साल के लंबे इंतजार के बाद भारत को मैराथन में पहला पदक मिला है। इससे पहले 1982 में भारत ने मैराथन में पदक जीता था। सावन ने 2:11:36 का सबसे कम समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। इसी साल रॉटरडैम मैराथन में उन्होंने 2 घंटे 12 मिनट से कम समय में दौड़ पूरी कर शिवनाथ सिंह के 48 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था।

एशियन गेम्स- अंकुश ने बॉक्सिंग का पहला मेडल पक्का किया

मुर्ली मेंस लॉन्ग जम्प के फाइनल में, सिंधु क्वार्टर फाइनल हारीं

नागोया, एजेंसी। मुक्केबाज अंकुश पंधाल ने एशियन गेम्स 2026 में बॉक्सिंग का पहला मेडल पक्का किया। वे मेंस 80 ब्रह्म वेट कैटेगरी के सेमीफाइनल में पहुंच गए। मुक्केबाजी में सेमीफाइनल पहुंचने वाले खिलाड़ियों को मेडल मिलता है। रविवार को गेम्स के 8वें दिन अंकुश ने ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलीमोव को 5-0 से हराया। मुर्ली श्रीशंकर और डेविस सोलोमोन ने लॉन्ग जम्प के फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत की कंपाउंड पुरुष और महिला टीमों आचरी के सेमीफाइनल में पहुंच गई। जहां उनका सामना साउथ कोरिया से होगा।



आज 33 गोल्ड मेडल दांव पर हैं

एशियाड में आज 33 गोल्ड मेडल दांव पर हैं। 18

साल की अनाहत सिंह स्ववाश महिला सिंगल्स का फाइनल मैच खेलेंगी। भारत को उनसे गोल्ड की उम्मीद होगी। उनका मुकाबला दोपहर 1:30 बजे

अभी संन्यास नहीं लेंगे रोनाल्डो पुर्तगाल के लिए खेलते रहेंगे

लिस्बन (ईएमएस)। फीफ विश्वकप फुटबॉल में पुर्तगाल टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही अटकलें लगायी जा रही थीं कि टीम के कप्तान और स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब किसी भी समय संन्यास ले सकते हैं पर रोनाल्डो ने इससे इंकार किया है। इस फुटबॉलर का कहना है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। साथ ही कहा कि वह तब तक खेलते रहेंगे जब तक मैदान पर अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। रोनाल्डो ने हालांकि माना है कि विश्व कप में टीम की हार के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बारे में गंभीरता से सोचा था, पर अब उनका पूरा ध्यान आगामी मुकाबलों में पुर्तगाल को जीत दिलाने और टीम के लक्ष्यों को हासिल करने पर केंद्रित है। रोनाल्डो ने बताया कि विश्व कप के अंतिम-16 में स्पेन के खिलाफ मिली हार के बाद उनके मन में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को खत्म करने का विचार आया था। उन्होंने कहा, हां, मैंने ऐसा सोचा था। मैं हमेशा अपने फैसलों, अपने भविष्य और वर्तमान के बारे में सोचता रहता हूं। हालांकि, अब उन्होंने इस पर अंतिम निर्णय ले लिया है और अपने देश के लिए खेलना जारी रखने का संकल्प लिया है। इस 39 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी ने बताया कि उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय के बारे में देश के फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और अपने पूर्व क्लब अल-नासर के कोच जॉर्ज जोसस



से विस्तार से बातचीत के बाद फैसला किया है। जोसस, जिन्होंने हाल ही में मई में अल-नासर को सऊदी लीग का प्रतिष्ठित खिताब दिलाया था और रोनाल्डो की क्षमताओं से भली-भांति परिचित हैं, ने भी इस चर्चा में भाग लिया। रोनाल्डो ने कहा, मुझे अब भी पूरा विश्वास है कि मैं राष्ट्रीय टीम की मदद कर सकता हूं और उसे उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा सकता हूं। मैं तब ही संन्यास लूंगा, जब मुझे यह महसूस होगा कि मैं टीम के लिए अब कुछ भी कर पाने में सक्षम नहीं हूं।

रंग संसार

नेहा ने पारस पर लगाए गंभीर आरोप



मुंबई (यशभारत)। अभिनेत्री नेहा वडोदिया इन दिनों एक्टर और पॉडकास्ट होस्ट पारस खन्ना को लेकर किए गए अपने एक पोस्ट के चलते सुर्खियों में हैं। दुनाली फेम नेहा ने पारस पर पैसों के लिए कथित तौर पर उनका गलत फायदा उठाने, झूठी ज्योतिषीय जानकारी देने और अनुचित तरीके से निजी संपर्क करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा तेज हो गई है। पोस्ट में नेहा ने पारस को तंज कसते हुए आबरा खन्ना भी कहा। हालांकि, इन आरोपों पर पारस खन्ना की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने आई है या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। नेहा ने 17 सितंबर को पारस की फोटो डालकर एक लंबा-चौड़ा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि पारस खुद को बड़ा ज्योतिषी बताता है और उसने उनके भविष्य को लेकर झूठा ज्ञान देने के लिए 101 रुपये लिए थे। नेहा ने आगे बताया कि बिग बॉस से निकलने के बाद जब वे मिले, तो पारस ने उनसे फोटो भेजने को कहा और गाना बनाने का वादा किया।



सूरज बड़जात्या के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास- शरवरी

मुंबई (यशभारत)।हाल ही में पारिवारिक ड्रामा फिल्म ये प्रेम मोल लिया के टाइटल ट्रैक लॉन्च इवेंट में, शरवरी ने बताया कि उन्होंने मशहूर गाने दीदी तेरा देवर दीवाना और मैया यशोदा देखते हुए ही अपनी बचपन गुजारा है। फिल्म निर्देशक सूरज बड़जात्या के साथ काम करने और राजश्री प्रोडक्शन की फिल्मों में गानों के पीछे की सोच को समझने के अनुभव को उन्होंने बेहद खास बताया। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस अनुभव का हिस्सा बनकर खुद को बेहद आभारी और खुशकिस्मत महसूस कर रही हैं।

उन्होंने शूटिंग के दौरान सूरज बड़जात्या के साथ अपनी बातचीत का एक किस्सा भी साझा किया। शरवरी ने बताया, जब भी हम गानों की शूटिंग करते थे, तो सूरज सर मुझे मैया यशोदा और दीदी तेरा देवर दीवाना जैसे गानों की शूटिंग के समय की कहानियाँ सुनाते थे, और यह मेरा सबसे पसंदीदा समय हुआ करता था क्योंकि मैंने बचपन से ये सारे गाने देखे हैं। इन गानों के लिए दिल में बहुत प्यार है। उन्होंने आगे बताया कि सूरज

बड़जात्या ने उन्हें उन गानों से जुड़ी कुछ बिहाइंड-द-सीन्स डिटेल्स भी शेयर कीं, जिन्हें उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस में शामिल करने की कोशिश की। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि गानों पर काम करने से उन्हें राजश्री के फिल्ममेकिंग स्टाइल की एक अलग समझ मिली। शरवरी ने कहा, मुझे सच में लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि कोरियोग्राफी के अलावा, गानों में इतनी सारी चीजों का ध्यान रखना होता है, जैसे परिवार की भावनाएं, उनके साथ जो कनेक्शन बनता है, कहानी कैसे आगे बढ़ती है। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने देखा कि गाने कैसे फिल्म को आगे ले जाते हैं, कैसे वे कहानी को आगे ले जाते हैं और यह मेरे लिए बहुत खास अनुभव था। उनका यह अनुभव इस बात पर जोर देता है कि राजश्री की फिल्मों में सिर्फ मनोरंजन ही नहीं, बल्कि गहरी भावनात्मक और कथात्मक जड़ों से भी जुड़ी होती हैं। बता दें कि ये प्रेम मोल लिया में शरवरी वाघ के साथ आयुष्मान खुराना और अनुपम खेर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।



ईशा मालवीय का बॉलीवुड डेब्यू

मुंबई (यशभारत)। अभिनेता गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय आगामी रोमांटिक ड्रामा फिल्म तुम मेरे हो में पहली बार एक साथ नजर आएंगे। यह फिल्म ईशा मालवीय का बॉलीवुड डेब्यू भी है और यह 23 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म निर्माताओं ने

फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया, जिसमें रोमांस, एक्शन और एडवेंचर से भरी एक जबरदस्त प्रेम कहानी की झलक मिलती है। पहले पोस्टर में गुरमीत और ईशा बादलों के बीच से गिरते हुए दिख रहे हैं, जिसके बैकग्राउंड में शहर का नजारा और डूबता सूरज है, और वे एक दूसरे को किस कर रहे हैं।



जेनिफर ने गोवा में रचाई दोबारा शादी

मुंबई (यशभारत)।टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस जेनिफर विंग्ट एक बार फिर अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और बिजनेसमैन विलियम इश्माएल के साथ गोवा में दोबारा शादी की है। इस खास मौके की तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें जेनिफर के परिवार और करीबी दोस्त भी उनके साथ नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, जेनिफर और विलियम ने मूल रूप से जुलाई 2026 में यूके में क्रिश्चियन रिटि-रिवाजों से शादी की थी। हालांकि, उस समय उनके कई करीबी दोस्त और परिवार



के सदस्य इस समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे। इसी वजह से इस जोड़े ने अपने खास लोगों के साथ शादी का जश्न मनाते

और अपनी खुशियां बांटने के लिए गोवा में एक और समारोह आयोजित करने का फैसला किया।

‘पहला प्यार दूसरी बार’ चर्चा में

मुंबई (यशभारत)। नई स्टारकास्ट और यंग एनर्जी से भरपूर फिल्म ‘पहला प्यार दूसरी बार’ इन दिनों चर्चा में है। फिल्म के ट्रेलर के आने से पहले मेकर्स ने दर्शकों के लिए एक खास मजेदार वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में फिल्म से डेब्यू कर रहे नए कलाकारों की मुलाकात अनुभवी अभिनेता अनुभव बक्सी, गुरलीन पन्ना और देवेश दीक्षित से होती है। इसके बाद शुरू होता है सवाल-जवाब, मजाक और एक-दूसरे की टांग खिंचाई का सिलसिला। वीडियो में स्पर्श वालिया, अलीशा चोपड़ा, कुणाल वैद, साक्षी वैद्य, तुषार छिब्बर और सरगुन कौर लूथरा जैसे नए चेहरे अपनी फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर शुरुआत करने जा रहे हैं। अनुभव बक्सी, गुरलीन पन्ना और देवेश दीक्षित ने इन नए चेहरों से कई मजेदार और चुटीले सवाल किए। बातचीत के दौरान उनकी खिंचाई भी हुई और फिल्म के नाम को लेकर भी मजाक देखने को मिला।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इन्स्ट्रस्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा.लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिहाई, जबलपुर से मुद्रित एवं वॉलंबर 29, बीएसएनएल ऑफिस के पास, द्वारका सिटी रोड, बरगवां, कटनी से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक - आशीष सोनी* सम्पादक अम्बरिश तिवारी
सलाहकार संपादक श्याम कटार। फोन (07622) 230033, डाक पंजीयन क्र. एसएसपी/जबलपुर/ 26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/21090. email - katni@yashbharat.co.in (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)